(क) क्या सरकार को पता है कि पर्वतीय क्षेत्रों की यात्रा करने वाले यात्रियों विशेष-रूप में पर्यटकों को अत्यन्त कठिनाई उठानी पड़ती है, क्योंकि फूल बाग, पन्त नगर स्थित हवाई अड्डा वर्ष में केवल कुछ महीने ही कार्य करता है,

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार यह सुनिश्चित करने के लिये कोई कार्यवाही करने का है कि उपरोक्त हवाई अड्डा वर्ष भर कार्य करता रहे, और

(ग) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है ?

पर्यटन और नागर विमानन मन्त्री (डा० कर्ण सिंह) : (क) से (ग) अब तक इण्डियन एयरलाइन्स दिल्ली और पंतनगर के बीच केवल ग्रीष्म ऋतु में, जबकि यातायात सम्भावना काफी अधिक रहती है, एक अनुसूचित सेवा परिचालित कर रही है। विमान सेवा को वर्ष भर चालू रखने का प्रश्न विचाराधीन है।

उत्तर प्रदेश को सहायता

730. **श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट**

क्या वित्त मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर प्रदेश सरकार ने अपनी योजना हेतु केन्द्रीय सरकार से 22 करोड़ रुपये की राशि मांगी थी,

(ख) क्या रिजर्व बैंक आफ इण्डिया ने केवल 17 करोड़ रुपये के ऋण को मंजूरी दी थी,

(ग) क्या सरकार का भविष्य में इस राज्य को और अधिक ऋण देने का विचार है, और

(घ) यदि हां, तो वह राशि क्या है।

वित्त मन्त्री (श्री यशवन्त राव चव्हाण) : (क) से (घ) तक : उत्तर प्रदेश सरकार से हाल में एक अनुरोध (पत्र) प्राप्त हुआ था जिसमें मांग की गई थी, कि वर्ष के दौरान उसके द्वारा बाजार से उधार ली गई रकम में से 23 करोड़ रुपये की सकल रकम उसके लिए निर्धारित कर दी जाय। उधार लिये जाने के कार्यक्रम के ब्यौरे को बाजार की मौजूदा स्थिति और राज्यों के पिछड़ेपन तथा आयोजन सम्बन्धी परिव्ययों की वित्तपूर्ति करने की योजना के आधार पर योजना आयोग द्वारा निश्चित की गयी अन्तिम सीमाओं को ध्यान में रखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से अन्तिम रूप दिया जायगा।

उत्तर प्रदेश सरकार से ऋण सहायता प्राप्त करने के लिए और कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है।

उत्तर प्रदेश के उत्तराखंड क्षेत्र में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बनाई गई योजना

731 **श्री नरेन्द्र सिंह बिशिष्ट** :

क्या पर्यटन और नागर विमानन मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार को पता है कि उत्तर प्रदेश के उत्तराखण्ड क्षेत्र में अनेक अधिक हिम नद और मृगवन है,

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने उन स्थानों में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कोई योजना तैयार की है ; यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है,

(ग) क्या इन स्थानों का पर्यटक केन्द्रों के रूप में विकास करने की समस्या सम्भावनाओं का पता लगाने हेतु उन क्षेत्रों का सर्वेक्षण करने के लिए कोई विशेष अध्ययन दल वहां भेजने का कोई प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ?

पर्यटन और नागर विमानन मन्त्री (डा० कर्णसिंह) : (क) जी, नहीं।

(ख) और (ग). जी, नहीं, यह क्षेत्र 'अंतरंग रेखा' (इनर लाइन) के अन्तर्गत आता है।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

Defaulting Companies in Tamil Nadu

732. SHRI B. NARAYANAN : Will the Minister of COMPANY AFFAIRS (KAMPANI KARYA MANTRI) be pleased to state :

(a) the number of applications received in Tamilnadu under section 555 of the Companies Act, upto 31st March, 1970 for unpaid dividends and undistributed assets to be paid into the companies liquidation Account ;

(b) the details of the defaulting companies, and

(c) the number of pending applications as on 31st March, 1970 ?

THE MINISTER OF COMPANY AFFAIRS (KAMPANI KARYA MANTRI) (SHRI RAGHUNATHA REDDY) : (a) to (c). The required information is being collected and the same will be placed on the Table of the Lok Sabha as early as possible.

Repatriation of Profits by Private Foreign Companies

733. SHRI B. NARAYANAN : Will the Minister of FINANCE (VITTA MANTRI) be pleased to state :

(a) the total amount of profit repatriated during the year 1969-70 or 1968-69 by the 561 foreign companies as defined in Section 591 of the Companies Act ; and

(b) the number of Indian personnel in these foreign companies with their status in the organisation ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (VITTA MANTRALAYA MEN RAJYA MANTRI) (SHRI K. R. GANESH) : (a) The profits repatriated by foreign companies as defined in Section 591 of the Companies Act 1956 during 1968-69 and 1969-70 were as follows :

(Rs. Lakhs)

	1968-69	*1969-70*
Current profits	775	873
Accumulated profits	530	400
Total :	1,305	1,273

(b) The information is not readily available as it is not required to be filed with any Government agency under any statutory provisions. An extensive survey will be necessary to collect this information and it is considered that the time and labour involved in making such a survey will not be commensurate with the use that could be made of such information.

House Building Loans sanctioned by Life Insurance Corporation

734. SHRI N. K. SANGHI : Will the Minister of FINANCE (VITTA MANTRI) be pleased to state :

(a) the number of house-building loans and the total amount thereof sanctioned by Life Insurance Corporation of India and the amount disbursed to the loanees so far ;

(b) the total amount of final instalments yet to be paid to the loanees even after completing all the formalities including submission of completion certificates, as on 31st March, 1971 ; and

(c) the reasons for not effecting the the payments of final instalments and the number of such cases ?